

CONSTITUTION (AMENDMENT)
BILL*

(AMENDMENT OF ARTICLE 348)

श्री ओम प्रकाश त्यागी (मुरादाबाद) :
सभापति महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि
भारत के संविधान का और संशोधन करने
वाले विधेयक को पेश करने की अनुमति दी
जाय।

MR. CHAIRMAN : The question is :

"That leave be granted to introduce
a Bill further to amend the Constitu-
tion of India."

The motion was adopted.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : मैं विधेयक पेश
करता हूँ।

SHRI S. M. BANERJEE : Madam,
Mr. Nath Pai has come.

MR. CHAIRMAN : You would like
to move your Bill ?

WORKMEN'S COMPENSATION
(AMENDMENT) BILL*

(AMENDMENT OF SECTIONS 2 AND 15)

SHRI NATH PAI (Rajapur) : I beg
to move for leave to introduce a Bill
further to amend the Workmen's Compensa-
tion Act, 1923.

MR. CHAIRMAN : The question is :

"That leave be granted to intro-
duce a Bill further to amend the Work-
men's Compensation Act, 1923."

The motion was adopted.

SHRI NATH PAI : I introduce† the
Bill.

15.10 hrs.

CONFERMENT OF DECORATIONS
ON PERSONS (ABOLITION)—BILL
Contd.

MR. CHAIRMAN : Now we come to
the consideration of the Bill moved by Mr.
Kripalani.

Shri Yamuna Prasad Mandal to
continue his speech. If the hon. Member
comes to the front bench, it will be
better.

श्री यमुना प्रसाद मंडल (समस्तीपुर) :
सभापति महोदया, मैं उस दिन कह रहा था
कि यह उपाधियाँ और अलंकरण यह दो
विभिन्न चीजें हैं। मगर लोक सभा में हिन्दी
रूपांतर करने वाले लोगों ने कन्फरिंग ऑफ
डेकोरेशन्स एंड टाइटिल्स को हिन्दी में इस
तरह से रूपांतरित किया कि व्यक्तियों को
उपाधियों से विभूषित करना, विभूषित करने
की बात हो तो वहाँ उपाधियाँ नहीं हो सकतीं,
यह अलंकरण की बात है। मैं कहना चाहता हूँ
कि उपाधियाँ और अलंकरण यह दो चीजें हैं—
टाइटिल्स एंड डेकोरेशन और दू डिफरेंट
थिंग्स। और जो बिल पेश किया है कृपालानी
जी ने उसमें उनका मतलब उपाधियों की ओर
है या अलंकरण की ओर है यह साफ उस बिल
से जाहिर नहीं होता। जब वह ब्राबजेक्ट एंड
रीजन्स वगैरह पढ़ रहे थे तो उसमें कहते हैं
टाइटिल और शुरु में कहते हैं डेकोरेशंस। तो
मैं बराबर कहता आया हूँ कि यह दो चीजें
हैं—अलंकरण और उपाधियाँ और इसके
सम्बन्ध में मैंने एक सुझाव भी दिया, नाथ पाई
साहब और इनके साथी लोग एन्साइक्लो-
पीडिया ले लें और देख लें कि टाइटिल्स और
डेकोरेशन्स और और चीजों में कितना फर्क
है। सारे पश्चिम के भूभागों में, बड़े-बड़े क्रांति-
कारी देशों में, कोरिया में और और जगहों में
उपाधियाँ दी जाती हैं। सचमुच में टाइटिल्स

*Published in the Gazette of India Extraordinary, part II, section 2, dated 11-12-70.

†Introduced with the recommendation of the President.